

10.03.2026

अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र सुनवाई हेतु पेश हुआ। आवेदक/अभियुक्त गौरव शर्मा के विद्वान अधिवक्ता द्वारा आवेदक/अभियुक्त की गिरफ्तारी हो जाने के कारण इस अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र पर बल न दिए जाने का कथन करते हुए, तत्सम्बन्धित पृष्ठांकन अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र व आदेशपत्र के हांशिए पर अंकित किया गया है तथा उक्त आशय का प्रार्थनापत्र भी प्रस्तुत किया गया है।

तदुसार प्रस्तुत अग्रिम जमानत प्रार्थनापत्र, अभियुक्त की तरफ से बल न दिए जाने के आधार पर, निरस्त किया जाता है।

(विकास कुमार-1)  
सत्र न्यायाधीश, मथुरा।  
I.D. No. UP 1910